CHAPTER :- 1

july 15, 2024
Monday

पाठ ⇒ 1

पुष्पीय पादपों में लैंगिक प्रजनन

सही विकल्प —

1. निम्न में से जीव जीवन में केवल एक बार लैंगिक जनन करता है — केले का पौधा
2. आवृतबीजियों में भ्रूणपोष होता है — त्रिगुणित
3. निषेचन के बाद बीजांड से बनता है — बीज
4. आवृतबीजियों में द्विनिषेचन (त्रिसंलयन) की खोज की थी — नावाश्चिन
5. बीजाणुद्भिद की मुख्य अवस्था किसमें होती है — आवृतबीजियों में
6. किसी परागकोष की लघु बीजाणुधानी की सबसे बाहरी व भीतरी परत क्रमशः होती है — एपीडर्मिस एवं टेपीटम
7. लघु बीजाणु जनन के दौरान अर्धसूत्री विभाजन कहाँ होता है? — लघु बीजाणु मातृ कोशिका
8. उस घटना को क्या कहते हैं, जिसमें अंडाशय बिना निषेचित हुए फूल में विकसित हो जाता है — अनिषेक फलन
9. भ्रूणकोष में निषेचन के बाद नष्ट होने वाली

theboardstudy.com

कोशिकाएँ हैं — सहाय कोशिकाएँ एवं प्रतिद्युत कोशिकाएँ

10. किसी एक लिंगाश्रयी पौधे के लिए कृत्रिम संकरण की योजना बनाने में निम्नलिखित में से कौन-सा पद महत्व का नहीं है ? — विपुंसन

Note:
मादा पुष्प की बैगिंग, वर्तिकाग्र पर परागकणों का छिड़काव, परागकणों का एकत्रिकरण। यह पद कृत्रिम संकरण की योजना बनाने में महत्व रखते हैं।

11. अध्यावरण से घिरा हुआ कोशिकाओं का एक पुँज होता है — बीजांडकाय

12. विकासशील परागकणों को पोषण देता है — टेपीटम

13. बीज में अवशीष्ट बीजांडकाय को क्या कहते हैं — परिभ्रूणपोष

14. सेब एक फल का उदाहरण है — आभासी

15. पक्षियों द्वारा होने वाला परागण क्या कहलाता है — पक्षी परागण

रिक्त स्थान —

1. लघु बीजाणु नर युग्मकोद्भिद की प्रथम कोशिका है।

2. अंडप पुष्प का मादा जननांग है।

3. परागकोष का वर्तिकाग्र से पहले परिपक्व होना पुंपूर्वता कहलाता है।

4. बीजरहित फल के बनने की क्रिया को अनिषेकफलन कहते हैं।

5. परागकण की बाह्य भित्ति बाह्यचोल कहलाती है।

6. एक बीज में एक से अधिक भ्रूणों की उपस्थिति को बहुभ्रूणता कहते हैं।

7. अनिषेचित अंड से भ्रूण का विकास अनिषेक जनन कहलाता है।

सत्य / असत्य —

1. आवृत्त बीजियों में द्विनिषेचन की खोज नावाश्चिन ने की थी। सत्य
2. परागकोष से परागकणों का वर्तिकाग्र तक पहुँचना निषेचन कहलाता है। असत्य
3. एक नर युग्मक का अंडकोशिका से संलयन द्विनिषेच कहलाता है। असत्य
4. चमगादड़ द्वारा होने वाले परागण को पक्षी परागण कहते हैं। असत्य
5. एलियम तकार का भ्रूणकोष टेट्रास्पोरिक होता है असत्य

जोड़ी —

1.	द्वि-निषेचन	=	आवृतबीजीय पौधे
2.	युग्मनज	=	भ्रूण
3.	बीजांड	=	बीज
4.	अंडाशय की भित्ति	=	पैरीकार्प
5.	अनुन्मीलय परागणी पुष्प	=	स्वयुग्मक

एक शब्द में उत्तर —

1. किसी अनुन्मीलय परागणी पौधे का नाम बताइए — ऑक्सैलिस।
2. पुष्पीय पौधों में भ्रूणपोष की सूत्रगुणिता क्या होती है — त्रिगुणित (3N)।
3. बीजरहित फल बनने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं — अनिषेक फलन।
4. एक बीज में एक से अधिक भ्रूण बनने की प्रक्रिया क्या कहलाती है — बहुभ्रूणता।
5. परागकणों का परागकोष से वर्तिकाग्र तक पहुँचना क्या कहलाता है — परागण।

प्रश्न — 12

1. पुष्प की परिभाषा देते हुए समझाइए। अथवा

अथवा

पुष्प को सचित्र समझाइए।

अथवा

पुष्प की जनन क्रिया में भाग लेने वाले अंग को समझाइए।

2. निषेचन पूर्व होने वाली घटनाओं को सचित्र समझाइए।

अथवा

निषेचन क्रिया में भाग लेने वाले अंगों को समझाइए।

अथवा

निम्न को संरचना के आधार पर समझाइए। —
① पुंकेसर, ② लघुबीजाणुधानी, ③ परागकण, ④ स्त्रीकेसर, ⑤ गुरुबीजाणुधानी (बीजांड), ⑥ भ्रूणकोष,

3. परागण की क्रिया को समझाते हुए उनके प्रकार लिखिए।

4. परपरागण तथा स्वपरागण में अंतर लिखिए।

5. निषेचन पश्च (बाद) होने वाली घटनाओं को समझाइए।

6. निम्न को समझाइए — ① द्विनिषेचन, ② भ्रूणपोष, ③ भ्रूण, ④ बीज एवं बीज निर्माण, ⑤ फल एवं फल निर्माण, ⑥ बहुभ्रूणता, ⑦ असंगजनन, ⑧ अनिषेक जनन।

20/7/21